

---

## Naradakritam 4 Shrikrishna Stotram

---

### नारदकृतं ४ श्रीकृष्णस्तोत्रम्

---

#### Document Information



---

Text title : Naradakritam 4 Shrikrishna Stotram

File name : nAradakRRitaM4shrIkRRiShNastotram.itx

Category : vishhnu, vishnu, krishna, harivaMsha

Location : doc\_vishhnu

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : harivaMsha | adhyAya 67.52||

Latest update : September 30, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 30, 2024

*sanskritdocuments.org*

---

नारदकृतं ४ श्रीकृष्णस्तोत्रम्

---



अथाहान्तर्हितो विप्रो नारदः खगमो मुनिः ।  
प्रीतोऽस्मि विष्णो देवेश कृष्ण कृष्णेति चासकृत् ॥ १ ॥  
नमस्तुभ्यं जगन्नाथ देवदेव जनार्दन ।  
नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं शङ्खचक्रगदाधर ॥ २ ॥  
नमस्ते ज्ञानरूपाय केशवाय च चक्रिणे ।  
नम आद्याय बीजाय निर्गुणाय गुणात्मने ॥ ३ ॥  
नमः सहस्रशिरसे त्वां नतोऽस्मि जनार्दन ।  
नमामि लोकनाथं त्वां नमस्ते देवरूपिणे ।  
नमस्तेऽस्तु हृषीकेश पाहि नः सर्वतो हरे ॥ ४ ॥  
इति हरिवंशान्तर्गतं नारदकृतं श्रीकृष्णस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।  
हरिवंश । अध्याय ६७.५२ ॥

harivaMsha . adhyAya 67.52..

Proofread by PSA Easwaran

---

---

Naradakritam 4 Shrikrishna Stotram

pdf was typeset on September 30, 2024

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

